फोनः-4103333, 2362400 फैक्सः-0141-2373513 वर्षः 72 संख्याः 342 प्रभात जयपुर, रविवार 17 जुलाई, 2022 डाक पं.सं. जयपुर सिटी/001/2021-23 पृष्ठ 8 मूल्य 2.00 रु.

ARBiT

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

epaper.rashtradoot.com

# राष्ट्रदूत

Metro

Rashtradoot

**Jagat Singh Mehta**

Jagat was also dispatched to receive Dalai Lama when he entered India as a refugee in 1959, escaping brutal Chinese crackdown of Tibet. His Holiness never forgot Jagat's humility lifelong.

**Daawat -E- Awadh**

Finger licking Nawabi treat for tingling tastebuds in town!!!!

*ब्रिटेन की सबसे बड़ी तितली स्वॉलोटेल को फंगल पैथोजन की वजह से भारी खतरा हो सकता है। इन पैथोजन्स के कारण दुर्लभ पौधा "मिल्क पार्सली" मर रहा है जिस पर इस तितली के लार्वा पलते हैं। यह तितली ब्रिटेन में सिर्फ 16 जगहों पर मिलती है और ये सभी स्थान नॉरफोक ब्रॉड्स में हैं, जहाँ मिल्क पार्सली पौधे बहुतायत में हैं। लेकिन गत वर्ष गर्मी के मौसम में 90 प्रतिशत से ज्यादा मिल्क पार्सली पौधे मर गए, यहां तक कि, इनके बीज भी नहीं बने। गत वर्ष नॉरविच के पास वीटफैन नेचर रिज़र्व में एक ज्ञात फंगल का दूसरे पैथोजन के साथ नए तरीके से मेल देखा गया, जो कि मिल्क पार्सली के मुरझाने का कारण हो सकता है। स्वॉलोटेल एण्ड बर्डविंग बटर फ्लाई ट्रस्ट के मार्क कॉलिन्स ने कहा, "यह कोई नया या अज्ञात पैथोजन नहीं है लेकिन इसने वीटफैन में मिल्क पार्सली आबादी को खत्म कर दिया है। लेकिन, चूँकि केवल 16 ऐसे स्थान बचे हैं जहाँ स्वॉलोटेल प्रजनन करती हैं इसलिए चिंता अधिक है। तथापि, अगर मिल्क पार्सली के पौधे मुरझा गए और उनके बीज नहीं बने तो यह सदाबहार पौधा ब्रॉड्स में और भी दुर्लभ हो जाएगा। प्लांट पैथॉलजिस्ट्स इन पौधों के मुरझाने का कारण ढूंढ रहे हैं। गत वर्ष भारी मात्रा में पौधों के मुरझाने का कारण अज्ञात हैं, लेकिन हो सकता है कि, कोई दूसरा फंगल पैथोजन हो, जो पहले पैथोजन के साथ मिलकर काम कर रहा है। पौधों के मुरझाने का एक अन्य कारण खारा पानी भी हो सकता है जो इन्हें कमजोर कर रहा है। रॉयल हॉर्टीकल्चरल सोसायटी की प्लांट पैथॉलजिस्ट, डॉ. फे न्यूबेरी ने पुष्टि की है कि प्राथमिक संक्रमण के अलावा दूसरा पैथोजन भी पौधे के भीतर है जिसकी वजह से ये पौधे मुरझा रहे हैं। आई.यू.सी.एन. की नई रैड लिस्ट में स्वॉलोटेल को ब्रिटेन में वल्नरेबल वर्ग में रखा गया है क्योंकि यह केवल नॉरफोक ब्रॉड्स में ही मिलती है। समुद्र का जल स्तर बढ़ने से ताजे पानी के कुछ दलदली क्षेत्र नष्ट हो जाएंगे, जो वर्तमान में स्वॉलोटेल और मिल्क पार्सली दोनों का आवास हैं। अगर ये क्षेत्र नष्ट हो गए तो ऐसी कोई जगह नहीं है, जहां स्वॉलोटेल पनाह ले सकें।*

# ममता, मुर्मू की उम्मीदवारी से बेचैन थीं, पर कुछ चैन मिला जगदीप धनखड़ को उपराष्ट्रपति पद पर भेजने की खबर से

## बंगाल की आदिवासी बैल्ट में विपरीत प्रतिक्रिया से भयभीत ममता बनर्जी के कोई खास विकल्प नहीं बचे हैं

-अंजन रॉय-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 16 जुलाई। अगर आम आदमी पार्टी को राष्ट्रपति चुनाव में यशवंत सिन्हा की उम्मीदवारी का समर्थन करने के लिये मजबूर करने का दोष किसी को दिया जा सकता है, तो भाजपा ही है।

भाजपा दिल्ली के आप के कम से कम दो मंत्रियों के बुरी तरह पीछे पड़ी हुई है तथा केन्द्रीय जाँच एजेंसियाँ इस समय ट्रायलों के दौरान इन्हें बहुत परेशान कर रही हैं। इसके अलावा भी, आप सरकार तथा दिल्ली के उपराज्यपाल के बीच छोटी-मोटी बातों को लेकर भी खींचतान भी चलती ही आ रही है।

आप ने आज यशवंत सिन्हा को अपना समर्थन देने की घोषणा कर दी तथा यह बिल्कुल साफ कर दिया कि यह एक मुश्किल निर्णय है। राष्ट्रपति पद की प्रत्याशी द्रौपदी मुर्मू का विरोध करना बड़ा मुश्किल हो गया है तथा इस विरोध का कोई वाजिब कारण या औचित्य होना आवश्यक है। जमीन स्तर की कार्यकर्ता से यहाँ तक पहुँचने की उनकी छवि यशवंत सिन्हा की स्थिति पर जबरदस्त रूप से भारी पड़ रही है। और तो और, विपक्षी दल भी इस बात से सहमत हैं।

राजनैतिक रूप से, आप निरापद रूप से ऐसा कर सकती थी, क्योंकि दिल्ली तथा पंजाब दोनों में से किसी भी राज्य में आदिवासी मतदाताओं का कोई मजबूत ब्लॉक नहीं, जो इस निर्णय से

( शेष अंतिम पृष्ठ पर )

- यदि वो यशवन्त सिन्हा से, जो मूलतः प्रारंभ से ममता बनर्जी के उम्मीदवार थे, चुनाव से पूर्व नाता तोड़ती है, तो उनकी राजनीति प्रतिष्ठा को भारी नुकसान होगा।
- अगर वो राजनीतिक प्रतिष्ठा को लगने वाले धक्के को बर्दाश्त करने का निर्णय ले भी लेती हैं, तो भी उनको राष्ट्रीय स्तर पर विपक्ष का बड़ा नेता बनने की महत्वकांक्षा को भी त्यागना होगा।
- वे अन्ततोगत्वा फिर आदिवासी बैल्ट के कारण वो अपने विधायकों व सांसदों को अंत में राष्ट्रपति पद के लिये अपना वोट देने का निर्देश दे सकती हैं। अथवा यह निर्णय ले सकती हैं कि, विधायक/सांसद अपना निर्णय लेने के लिये स्वतंत्र हैं।
- इस राजनीतिक उधेड़-बुन में ममता बनर्जी के लिये राहत की बात है कि, उनकी निगाह में लगातार कांटा बनकर तकलीफ देने वाले राज्यपाल को भाजपा ने उपराष्ट्रपति पद का अपना उम्मीदवार बनाने का निर्णय लगभग ले लिया है।

## क्यू आर कोड

-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 16 जुलाई। इलैक्ट्रॉनिक इण्डस्ट्रीज के लिए

- केन्द्र सरकार ने बिज़नैस को आसान बनाने के लिए पैकेज्ड इलैक्ट्रॉनिक वस्तुओं पर, वस्तु का ब्यौरा क्यू.आर. कोड में देने की अनुमति दी है।

बिजनैस को आसान बनाने की प्रक्रिया को प्रोत्साहन देने का दावा करते हुए सरकार ने पैकेज्ड वस्तुओं, जिसमें

( शेष अंतिम पृष्ठ पर )

## कोविड-19 केस

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 16 जुलाई। भारत में लगातार तीसरे दिन, शनिवार को भी

- लगातार तीसरे दिन भी भारत में कोविड-19 संक्रमण के बीस हजार से ज्यादा केस आए।

कोविड-19 संक्रमण के 20,000 से ज्यादा नए केस आए। शनिवार को

( शेष अंतिम पृष्ठ पर )

# यू.पी. के लोकसभा चुनावों में हारी 14 सीटों को जीतने का अभियान शुरू किया भाजपा ने

## हर हारी हुई सीट के लिये एक केन्द्रीय मंत्री, दो प्रदेश के मंत्री तथा बीस कार्यकर्ताओं की एक टीम गठित की गयी है, जिसने काम करना शुरू कर दिया है

-श्रीनंद झा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 16 जुलाई। इस समय, जबकि उत्तर प्रदेश में विपक्षी दल अस्तित्व के संकट से और गठबंधन के मुद्दों से जूझ रहे हैं तब भाजपा ने 2024 के लोकसभा चुनाव जीतने की मुहिम छेड़ दी है। पार्टी का लक्ष्य वे 14 सीटें जीतने का है, जहां वह वर्ष 2019 में हार गई थी।

भाजपा ने 2019 के लोकसभा चुनाव में 62 सीटें जीती थी और इसकी सहयोगी पार्टी अपना दल (एस) ने दो सीटें जीती थी।

बहुजन समाज पार्टी (बसपा), जो तब समाजवादी पार्टी की सहयोगी पार्टी थी, ने दस और समाजवादी पार्टी (सपा) ने 5 सीटें जीती थी। कांग्रेस के खाते में सिर्फ सोनिया गांधी की रायबरेली सीट ही गई थी। अब भाजपा ने हालिया आम चुनावों में रामपुर और आजमगढ़ सीट भी जीत ली है और यू.पी. में भाजपा की सीटों की संख्या 64 हो गई है।

- भाजपा की कोशिश है, इस बार सोनिया गांधी से भी रायबरेली की सीट छीन ले।

पार्टी के रणनीतिकार आराम से बैठने वालों में से नहीं है। उन्होंने उन 14 लोकसभा सीटों, जहां पार्टी 2019 में हार गई थी, के लिए मंत्रियों के नेतृत्व में टीमें तैनात कर दी है। राहुल गांधी जहां 2019 में अमेठी सीट हार गए थे, वहीं अब भाजपा ने 2024 के चुनावों में रायबरेली से सोनिया गांधी को हराने के मिशन पर काम करना शुरु कर दिया है। पार्टी नेतृत्व ने मैनपुरी और आसपास के क्षेत्रों में सपा का प्रभाव खत्म करने के लिए भी योजना बना ली है।

केन्द्रीय मंत्रियों के नेतृत्व वाली टीमों से कहा गया है कि वे रविवार से इन क्षेत्रों में डेरा डालेंगे। मैनपुरी में केन्द्रीय राज्य मंत्री जितेन्द्र सिंह के नेतृत्व वाली टीम रहेगी। इन सभी 14 क्षेत्रों के लिए 4 प्रदेश भाजपा पदाधिकारियों, दो राज्य मंत्रियों और 20 कार्यकर्ताओं की 20 पृथक टीमें बनाई गई है जो इन क्षेत्रों में बूथ स्तर पर कार्य करेंगी।

केन्द्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव को सहारनपुर, नगीना और बिजनौर सीट की जिम्मेवारी दी गई। वहीं कृषि मंत्री नरेन्द्र सिंह तोमर को रायबरेली, मउ, घोसी, श्रावस्ती और अम्बेडकर नगर सीट की जिम्मेवारी दी गई है। जौनपुर, लालगंज और गाजीपुर सीट का दायित्व केन्द्रीय राज्य मंत्री अन्नपूर्णा देवी को दिया गया है।

## बूस्टर का असर

-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 16 जुलाई। कतर की आबादी पर आधारित एक अन्तर्राष्ट्रीय अध्ययन में सामने आया है कि अंतिम डोज़ के तीन माह बाद कोविड-19 बूस्टर और वैक्सीन का असर लगभग नहीं के बराबर रह जाता है।

डा. बीन डॉट कॉम पर प्रकाशित इस अध्ययन में कहा गया है कि, वास्तव में तो छः महीने बाद इसका प्रभाव नैगेटिव हो जाता है, अर्थात् जिनके वैक्सीन नहीं लगा है वो अधिक

- एक अन्तर्राष्ट्रीय अध्ययन में दावा किया गया है कि कोविड-19 वैक्सीन और बूस्टर डोज़ का असर तीन महीने बाद खत्म हो जाता है।

प्रोटैक्टेड होते हैं, उन लोगों की तुलना में जिनके वैक्सीन लगा है। डा. बीन कॉट कॉम एक ऑनलाइन मैडिकल लैक्चर सीरीज़ है, जिसका लक्ष्य है आम आदमी के लिए मैडिसिन को सरल बनाना।

इस सप्ताह के प्रारंभ में सरकार ने फ्री बूस्टर डोज़ देने की शुरुआत की है, इसी के साथ प्रश्न यह पूछा जाना चाहिए कि क्या वैक्सीन और बार-बार दिए जाने वाली बूस्टर डोज़ का अल्प अवधि लाभ दीर्घावधि में लोगों को अधिक संवेदनशील व असुरक्षित बनाने में मदद

( शेष अंतिम पृष्ठ पर )

# 'तीस्ता सीतलवाड़ ने अहमद पटेल के इशारे पर साजिश रची थी'

## एस.आई.टी. ने सीतलवाड़ की जमानत की अर्जी का विरोध करते हुए कहा, साजिश का मकसद था, मोदी सरकार को बदनाम करके भंग करवाना

-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 16 जुलाई। कांग्रेस ने आज गुजरात पुलिस से इस दावे की सख्ती से खण्डन किया कि स्व. अहमद पटेल ने गुजरात के 2002 के दंगों के बाद ऐक्टिविस्ट तीस्ता सीतलवाड़ के साथ मिलकर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के खिलाफ साजिश रची थी। सीतलवाड़ इस समय पुलिस हिरासत में हैं।

पार्टी महासचिव तथा प्रचार-प्रसार प्रभारी जयराम रमेश द्वारा जारी एक बयान में स्व. अहमद पटेल के खिलाफ गढ़े गये इन अनिष्टकर आरोपों का साफ

( शेष अंतिम पृष्ठ पर )

# अभी से कयास लगने लगे, बोरिस जॉनसन कैसे एक्स पी.एम. होंगे?

## डेविड कैमरून, टोनी ब्लेयर व गॉर्डन ब्राउन की तरह के पूर्व प्र.मंत्री होंगे, जो संसद में सक्रिय नहीं रहे त्याग पत्र के बाद

-सुकुमार साह-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 16 जुलाई। यू.के. में प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन के इस्तीफे के बाद कंज़रवेटिव पार्टी में नेतृत्व को लेकर संघर्ष और ज्यादा रोचक होता जा रहा है।

वित्त मंत्री रह चुके भारतीय मूल के ऋषि सुनक जॉनसन के पतन में भूमिका होने का कुछ लोगों द्वारा आरोप लगाए जाने के बावजूद पार्टी के लोगों के समर्थन से वर्तमान में प्रधानमंत्री पद की दौड़ में सबसे आगे हैं।

सुनक फिर भी ब्रिटिश प्रधानमंत्री के अधिकारिक आवास एवं कार्यकारी दफ्तर 10 डाउनिंग स्ट्रीट के करीब आने से काफी दूर हैं।

- परन्तु थैरेसा मे प्र.मंत्री पद त्यागने के बाद संसद में काफी सक्रिय रहीं तथा बहस में भाग लेती रहीं तथा कई मुद्दों पर सरकार की आलोचना भी करती रहीं।
- दूसरी ओर, ऋषि सुनक बड़े सधे हुए तरीके से प्र.मंत्री बनने का अपना अभियान चला रहे हैं।
- बड़े संयमित इंटरव्यू दियेः एक टी.वी. चैनल को तथा दूसरा अखबार को।
- उनसे जब पूछा गया, क्या आप ज्यादा अमीर नहीं हैं प्र.मंत्री बनने के लिये, तो उन्होंने कहा कि, वे इंसान को उसके ईमान व चरित्र से आंकते हैं, पैसे से नहीं।
- एक और प्रश्न पूछा गया कि, क्या वे टैक्स कम करेंगे? उन्होंने जवाब दिया, मैं जीतने के लिये टैक्स नहीं घटाता बल्कि टैक्स घटाने के लिए जीतता हूँ।
- प्र.मंत्री के खेमे के तथाकथित छद्म विरोध, पर अपने संयमित चुनाव अभियान के बावजूद सुनक को 19 वोट्स की ही और जरूरत है, प्र.मंत्री पद का मुख्य उम्मीदवार बनने के लिये।

द टाइम्स की एक रिपोर्ट के अनुसार ऋषि सुनक की नवीनतम बाधा बोरिस जॉनसन द्वारा चुपचाप चली जा रही चालें हैं। उन्होंने सुनक के खिलाफ "एनीवन बट सुनक" अभियान छेड़ रखा है। वह टोरी नेतृत्व के पराजित उम्मीदवारों से अनुरोध कर रहे हैं कि वे किसी का भी समर्थन करें किन्तु ऋषि का नहीं।

न्यूज रिपोर्ट में बताया गया कि प्रधानमंत्री ने कहा है कि वह नेतृत्व के लिए खड़े हुए किसी प्रत्याशी का समर्थन नहीं करेंगे या चुनावी संघर्ष में सार्वजनिक रूप से दखल नहीं देंगे। फिर भी समझा जाता है कि उन्होंने स्वयं को सफल बनाने को लेकर विफल

( शेष अंतिम पृष्ठ पर )